संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं ने जन सहयोग में राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किये हैं । समिति विकास कार्यक्रमों में जनता का भागीदारी की समस्याओं पर विचार करने के लिए वाद-विवाद के स्थान के रूप में भी कार्य करती है। जो मुख्य योजनाएं हाथ में ली गई हैं वे हैं :-

(1) लोक कार्य क्षेत्र (शहरी तथा ग्राम्य)

(2) योजना में रुचि पैदा करने के लिए विश्व-विद्यालयों और कालेजों में योजनागोष्ठियां ।

(3) जन सहयोग में अनुसंधान तथा मार्गदर्शी परियोजनाओं का गठन ।

(4) राष्ट्रीय उपभोक्ता सेवा; और

(5) तकनीकी कार्य ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

परिवार नियोजन

1938. श्री क० मि० मधुकर : क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गर्भपात के बारे में कोई कानून बनाने से पहले इस बारे में अपेक्षित सामाजिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक तथा नैतिक पहलुओं पर विशेषज्ञों की राय मांगी गई है, और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीमति अमृतकौर) : (क) और (ख). गर्भपात के कानून को उदार बनाने का प्रश्न महाराष्ट्र के जन-स्वास्थ्य, विधि एवं न्याय-पालिका के भूतपूर्व मंत्री श्री शांतिलाल शाह की अध्यक्षता में स्थापित एक समिति को भेजा गया था । इस समिति ने विभिन्न व्यक्तियों को एक प्रश्नावली भेजी थी, जिनमें और लोगों के अलावा, चिकित्सा, सामाजिक कानूनी, राजनैतिक तथा नैतिक क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल हैं । इन सभी विशेषज्ञों द्वारा प्रकट की गई रायों पर उचित विचार करने के बाद, इस समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी, जिसे जल्दी ही सभा-पटल पर रख दिया जायेगा । इस समिति की सिफारिशें पहले ही सभा-पटल पर रखी जा चुकी हैं ।

मातातीला बांध से बिजली

1939. श्री नाथूराम अहिरवार : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश को मातातिला परियोजना से बिजली देने के प्रश्न पर सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ विचार-विमर्श किया है; और

(ख) यदि हां, तो कब और उसके क्या परिणाम निकले हैं ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) और (ख). मातातिला परियोजना से मध्य प्रदेश को बिजली सप्लाई करने के विषय पर केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार से हाल ही में कोई बातचीत नहीं की है ।

दोनों राज्य सरकारों के बीच हुए समझौते के अनुसार मातातिला से मध्य प्रदेश को आपस में तय किये गये मूल्य पर लगभग 2.5 मैगावाट बिजली दी जायेगी । इसमें से उत्तर प्रदेश 11 अप्रैल, 1965 से लगभग एक मैगावाट बिजली मध्य प्रदेश को झांसी से दे रहा है । मध्य प्रदेश ने इच्छा प्रकट की है कि उन्हें मातातिला की बिजली चार स्थानों अर्थात मातातिला, झांसी, मौरानीपुर और बांदा से दी जाये । मातातिला के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान से बिजली देने के प्रस्ताव से बिजली के पारेषण पर अतिरिक्त व्यय होने का प्रश्न उठ खड़ा हुआ है जिस पर इस समय दोनों राज्य बिजली बोर्डों के बीच बातचीत हो रही है ।